

Bank deposits and advances in Bihar

4269. SHRI BHOGENDRA JHA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the total, preferably, district-wise, bank deposits and advances in Bihar and the causes of wide disparity; and

(b) what amount is advanced directly for productive purposes, both agricultural and industrial respectively for medium, small, mini and cottage industries and for trade and commerce?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHANA POOJARY): (a) Districtwise data on deposits and advances (according to sanction) of all scheduled commercial banks in the State of Bihar at the end of March 1981 is set out in statement laid on the Table of the House. Placed in Library. See No. LT-3684/82. The disparities in the deposits and advances of scheduled commercial banks reflect the disparities in economic development, particularly the growth of organised sectors of industry and trade, which in turn, are attributable to several factors like natural endowments, availability of infrastructural facilities, proximity to markets, availability of local entrepreneurship etc.

(b) Districtwise data on sectoral deployment of outstanding credit of scheduled commercial banks in the State of Bihar is available for June, 1980. This data is set out in statement II laid on the Table of the House. Placed in Library. See No. LT-3684/82.

कच्चे चमड़े तथा चर्म उत्पादों का निर्यात

4270. श्री बिरहा राम फुलवाड़िया : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1981-82 के दौरान कितने कच्चे चमड़े तथा विभिन्न प्रकार के चमड़े से बनी वस्तुओं का कितना निर्यात किया गया ;

(ख) ये निर्यात किन एजन्सियों अथवा कम्पनियों के माध्यम से किये गये तथा उनसे सरकार को कितनी आय हुई ;

(ग) क्या सरकार का विचार 1982-83 के दौरान चमड़े के निर्यात में वृद्धि करने का है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार को उससे कितनी अतिरिक्त आय होगी और इस बारे में व्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री पी. ए. संघा) : (क) तथा (ख). कच्चे चमड़े के निर्यात की अनुमति नहीं है। चमड़े तथा चमड़े के उत्पादों की उन विभिन्न मदों के निर्यात आंकड़े जो अप्रैल, 1981—जनवरी, 1982 की अवधि के लिए मूल्य-वार उपलब्ध हैं, संलग्न विवरण में दिये जाते हैं। सरकार द्वारा अलग-अलग निर्यातकों के नाम नहीं रखे जाते।

(ग) तथा (घ). 1982-83 के दौरान घरेलू तथा अन्तर्राष्ट्रीय विपणन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए चमड़ा तथा चमड़े के उत्पादों के निर्यात बढ़ाने के लिए भरसक प्रयास किये जायेंगे। तथापि इस स्थिति में यह अनुमान लगाना संभव नहीं है कि इस सम्बन्ध में प्राप्त होने वाली अतिरिक्त विदेशी मुद्रा आय कितनी होगी।